

96

Case of Haddock

२ कुं सिधायम् अंगुसङ्गिना नविसा

ॐ ह्रै लाना कान नू नू दूं दूं दृ द्रा स्वा हा ॥ धा १०
जय या यु सानस दया असः द कामु सिध या य
गूथ ८॥ ॐ जि वना न नी स्वा हा ॥ धन २१ थमुं जं
व जि दान बी गु ८॥ ॐ ह्रै वा नू ह्रै ह्रै ह्रै र द्वा हा ८
थमुं जि दा वि गुः जं उ सः धाल ७ ८॥ ॐ नमः मि दि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ श्रीगुरुजगन्धामादस्य २ ॐ मि
विविधः ॥ ॐ गनयतिः ॥ ॐ स्वनिः स ड न कादिः ॥ ॐ
नीम्भनयसादः सिद्धयः मम कथायः विशाखयः क
क्षेत्रि नम्भसानथानः विशाखनिः विशायसादः ॐ
दृष्ट दृष्ट दृष्ट ॐ काजायसाह ॥ ॐ धर्मं धार १०८

थया उव काजः थमुं न वै व नवियः स्मसानस पि थस
 जाग्रिसः द्रुसः थन थयासः जययायः मुंसिद्धि इयूः
 सावनसिद्धि इयू ४॥ ॥ **ॐ** यं दमहा जय नाय हूं हूं हूं
 रुद्र साहा ४॥ क्षत्रग आदयायः लख जय लयं मानक ४॥
 सादं **ॐ** ग धमुं पि सायनिया ३ साहा ४॥ जाकिः निव खन

सिना अः वज्रिसनयः आगीया कविका अः नयः नकान
 नः नास ४॥ १ **ॐ** ह ययिवय हूं रुद्र साहा ४ क्षलन थमुं
 न सादनयायः भूगनिपिंगः सक गासं जि अ इ ल ४॥
 सादं **ॐ** कालिः कालिमाहा कालिः वज्र कालिः विल कालिः साहा ४॥
 क्षलन थमुं नः सादनयायः मासाः यासाः पूना दया जि अ॥

१३३३

३३३३

१ॐ गु नू आ ह्रा ४ ॐ जिं जिं हूं दृ दृ सा हा ४॥ थ मं तु का न ज
ज य ल या ना न न या य थ न नः ग नं न य ना न सं र वा दू थ
स अ यः ह य म दृ दृ ल ४॥ १ॐ न म ४ आ गी नी ध नीः ह्रां
हूंः सर्व न क न क जिं न म सा हा ४॥ थ मुं काले ज क द
ल सां हा ज म द न साः शु क न ग व ज थ मं दू यः क ज व या य

३३३३

३३३३

म ल न ल सां वा सिं म र्वा या य म दू नि श्र य नं इ ला ४
१ॐ नु नु नु नूः ना ना ना नाः शु शु अ न न मा नः क क सा हा ४॥
काले न शु क न ज ल पं हा लः वा सिं रं ग या य ४॥
१ॐ हूं हूं हूं हूं वि र्वा जिं हूं दृ दृ सा हा ४॥ काले न
थ मुं न कू मा जि न रिय शु क न नः क क वा सिया मा ल ४॥

१॥ सां १॥ सां १॥ सां १॥ सां १॥

१॥ उं मां चिं यं किं दं दुःखादा ॥ १॥ क्षालनं वासि मां नः शुभं
न जयत्त यं हा प्रमालं ॥ ॥ १॥ उं यं व न काः महा न काः
व ज न काः वं ध य स्वा दा ॥ १॥ क्षालनं वासि मां नः शुभं
ले मालं म व नः दुःख वि य म ह ॥ १॥
१॥ उं व रु मि निं मि नीं मि निंः नीं स्वा दा ॥ १॥ क्षालनं वासि मां नः शुभं

१॥ सां १॥ सां १॥ सां १॥ सां १॥

युपिं न लाल या यः क्षाल रु यिः नि न हल ताः माल न या य ॥
१॥ उं नू डा य नि य दं दं दुःखा दा ॥ १॥ क्षालनं वासि मां नः शुभं
ला नूं दा गुं ल निं दा गुं जं नू न दा क याः य स ला य का
न य ल यं वू यः स गु पि का यः क्षाल स्वा य ॥ १॥ १॥ उं गुं नू न
हा ॥ उं म न रं द्र य रं व गुं रं दं दं दुःखा दा ॥ १॥ क्षालनं वासि मां नः शुभं
न स्वा क याः पू य ला डा ॥

विष्णोः नाम

मिपूकया

ॐ गुरु नामाः वागुर्गुः वागुर्गुः नः मा त्वा हं निज
ग्वनः लद धिमाः ॥ धर्मं धनं विवां द कयाः लनुं द
कयाः मा नयाः दू न काल वि यः ॥ ॐ डी डी डी ह वि
जाय स्या हा ॥ ॐ गयूयः साम वि कयाः ॥ ॐ सुक्
गदिगुल शहा दह मंगुः ॐ डी यद द्वा हा ॥ ॐ

साम वि य

वृज्याः पूजायाः ८ सत्ता मि कया

मि नयू कया यध नः जा ग ना या शत ॥ ॐ नू ना हा ह
द द्वा हा ॥ ॐ मिखा स्या याः खू अ याः पू य धर्म
ॐ धिं हा हं ॥ वृज्या या पु यः क्ष न २ ॥ ॐ गुरु ना
हं हं द द्वा हा ॥ मिखा स्या क या पू य ॥ ॐ डी डी हं
डी ह वि जा य स्या हा ॥ ॐ सत्ता मि क अं या पू य ॥

मिखा स्या कया

मेवाप्ययः

सालकोथय

ॐ सिधिरु नू आहूः हूँ जै विजं भो ना जाग्रिः का पुगिय
माहाविहूः थ प्रवि हूँ सा हा ॥ मूयाप्यय केः साल को थ
यः पिल्या योः थ मुं धा न वि कन ज पं न यं वि यः ॥ ॐ साली
सालिः म दा सा विः सानि भा य नि य हूँ हूँ द हूँ सा हा ॥
धा ल न लं ख ज य ल पंः ल न केः ची कन ज य ल पंः यार्थ
सू केः माल सं पू यः साल को थ य ॥

१ मेम स रे य का

१ न मा आ द स गू नू का ॥ ४ यं च न आः मा हा न द्वा व ज न
काः म म न काः मा नू न आः वृ क्त न द्वाः पु न आ स र्व
स द्वा सा हा ॥ ग्व ला च न कुं कु मः क स विः क पु नः ज न मा
सः श्री खं दः थ मुं ह ज प पु सः का या अः क दा न यः सि ध
ल न द या अः कृ क्त का न चि ना अः गु गु लिः धू प दू य

ॐ

मंगु जाययायः धा १०८ जउलाहमिसः नयभवन
धियः मङ्गु जागसस्तंला अः रगः पुनः पिसा यः वा क
सिः मस्तानसं रयमदू ॥ १ॐ **अथ न विना न काल**
हं हृत् स्वाहा ॥ धा १०८ जययायः गलसया कः काम
नासिधि जय ॥ १ॐ **कं ह्रीं पुच रुच स्वाहा ॥**
चंदनलग्ननामोहं

गो नमः ॐ

रनमा अद सगु नू को ४ आ ३ निर्वै ३ निरुगः पुनः पि
सायः जाकिनीः वा कसिः चूनय २ मानय २ दुन २ रा
गय २ स्वाहा ॥ धा गथ मुं स्त संः पुनयाः जालेयायः
धूय रागः वे हाः नम हलः मुसादू लिः गू गू सिद्ध यः कं
रगया हलः थ न धूय दय कः राखाया कः धूय कू कः
पूनयाः नोलनि अः नान आ के इ ले ॥

२३९ विष्णु याः सा न

रनमो आदसगुनू काऽजि वयानगकाः त्रिकामयर
दगयरदूर गूरु कृ कृ नगने मूयः द्वा दूर दूर गुरग्वार
॥ ३९ गवर साहा ॥ सास सया दाजे कयकः कृपालः
कयकुसाः जलरूयुः निपाल कयकुसाः आगिरूयु
मयान कयकुसाहि ह्युः सियुः जययायः धासम
वनदूखविलसाः याय ॥

दुसमवदूर विष्णु

॥ ३९ ॥ विष्णु गुरु आहूः ॐ डी डी डी डी डी डी ॥ ४९ ॥
मी वं धनायनमसाहा ॥ धनगुरुदगजयं दाल
दुसमवनदूर विष्णु लसाः हल रंग याय हलः
॥ ३९ ॥ डी रू रनी सावनी हः नसा हा नल नलि डी डी
रुट धा १०० धमु नाजाः शिंघयाः सपयाः धूया
जऊयाः वायूयाः जययानानरयमदयुजहल

रुसनासहय

सन्नास २ अग्नि दासि

ॐ हूं हूं ४ नू ग या चः स्या क याः पू य ४ ॥ १ हूं हूं हूं डी डी
 डी डी हूं काली २ का न ना गी भू भू कं य मु ग ड्र स्या
 हा ॥ नी स ऊ य या य स नू ना स इ यू ४ ॥ ॐ हूं हूं का
 भू भू क न द्या हूं हूं सा ह ४ ॥ ४ न भू भू द न न याः
 वा क सिः या न जानं या य ४ गु गु सि द्वा यः उ सि नः ४

गङ्गासुखाय नमः

काः यकाः रूगकं सनः सिनः नकिः साया दः साधे तस
 आ ल ४॥ १ॐ श्रीं जीं कौं गूं गंग त्रय न स्वा हा ४॥
 गन स्या कः जप या यः थ मुं मंगल शयू आ शन
 १ॐ जीं श्रीं हा नामू खी हं द ठ स्वा हा ४॥ मा हा
 हयः मक ना शयू वल सः जप या यः हय गल न
 शयू

रुठ सा ४॥ जय यायः सकला इयु वलसगु
 गुथनाः जय यायः सकला सिनाः नीज इल ४
 १ उँ ह्रौं किं हँ हँ हँ डँ डँ ४॥ थमुं नः थअहिः र्गल
 यः निगाना पङ्गनाः रजपगुसः वायाः जय याय

१ या रु नं सिध

काल १०८ थ अत्ता रु न सः चिना अ न यः थ ता हा
 गिन या काः या ज न न या सां सि धः इ यू अः गू वा वा
 १ॐ महा मा यि म व च २ मा च २ हं द ट् स्वा हा ॥
 थ मुं ला २ पिं न म ले या यः थ का अं पिं न जि अ इ त ॥
 १ॐ गु नू च हा १ गु नू च न न जू म न वूँ दूँ हं द ट् स्वा हा

मालाभाष्ये यमनाय

अथा

धूपयसुं० रा० क०

[illegible]

धाल २१

五

लिकाभं द्वायभं

१ॐ श्री गणेशाय नमः ॥ ध्यात्वा २१ लिकाय गु मं थ
२ॐ ह्रू म नै वं सा हा म ह्र म नै वं सू सा हा ॥ ध्यात्वा २१ लिकाय
३ॐ यौ वं डं बां नां हां यैः ह्रूं ह्रूं ह्रूं सा हा ॥ थ मु नः ध्यात्वा १०
जय या य ॥ धूप सिद्धयः गु गुः सिलः अ गलः न किः
कस्मि न दू ग वि यः धू नि धूप य न ४ ध अ वि द्या कं मुं

新刊

पुसिंवाजे

五

ॐ ह्रीं वूं मं भूं मूं किं भू कृ व न्रं स्वाहा ॥ १००८ क्षूयः गु
गुः कृ २१ क न अ सां नः दाल २१ ज य मित दूयः वा सि व
नः नायात्र वापि नं वा न डि अ ॥ १००९ ॐ ह्रीं ह्रीं भू ग्या सि हि
थय ह्रीं रु ट् स्वा हा ॥ १०१० क्षत ज पु न पः पति नि मा लं क
य कः अ कि ज य ल यं मा लं ॥ १०११ गु नु नृ द स ३ न्रं ह रियं

दसदिअया

कायाद्यनिविद्धः कूजुहनिमनु जगिआहाः हं गु
नुसायिः सचत्यगिमागादवीः वजजगिमागादवीः य
जगिमागादवीः हं दृष्टा हाहा ॥ क्षण जाउयनिसे
नदूखविलसाय क्षयायः कालिमायादनः ससयिया
अः मुं जपलपः वससूयः कजमयानाथसः दूखविलसामा
हनि प्रकायादं सानयूयः अ मखून हासियू अ हल ॥

ॐ भूना हादि हं हुन स्वाहा ॥ धन १ मिखा स्वा
याः वृं या पूया ॥ ॥ उं कि न र द न स ल हुन स्वा
हा ॥ धन न यो ल न य प्र या अः उं डा का न यः अ
कि न न ड याः कि ल स्वा यः रा ग रा ग ला य ॥ ॥
ॐ हु हु न ना वि ध क ध क हं हुन स्वा हाः धन ११
हि छि गुः उं इ हि ना ह ह न न ना अः हि छि य ॥ ॥

ॐ भूना दि हं हुन स्वाहा ॥ धन १ सि पू क या ना गः
रा य ॥ ॥ ॐ हु न लि हं हुन स्वा हा ॥ धन १ वा न
याः रा ग ना य ॥ ॥ ॐ हु न र ना स य र हं हुन सर्व व्या
दि ना स य र हं हुन स्वा हा ॥ धन १ वा थ स्वा क या य
या ॥ ॥ ॐ व न वा ना हि स र्व इ स्ता न क हं न हं हुन स्वा
हा ॥ धन १ पू ना ह या ना कि हा ना का य पि या क या

न निष्क ॥ ॥ ॐ मा न न र क्का द न र तु म हं न त्वा हा
अ न र न स आ न धू न क य क पा न स ति यः तू न न
यू न म हू ॥ ॥ ॐ न ग न पि स चि नि न ग न मा तं गि
हं ह न त्वा हा ॥ अ न र न स आ न वा क य अः कृ त व
यः द अ नं यू न म हू ॥ ॥ ॐ हं फि ह ह ह त्वा हा ॥

अ ल ७ थ व न नं आ क नः कृ षि दा डा अ तू नि नि नं ड
अ न मा न य रा य ॥ ॥ ॐ का न मा हा क न ह य पु हा
न हं ह ह त्वा हा ॥ अ ल ७ यू या थ म न नः यू न पि न
१ ॐ तु त्वा हा वि हं ह ह त्वा हा ॥ अ न र ३ सि न स न ह
नि नं थि स अ य न पः कृ स क अ व रा य ॥ ॥
१ ॐ ता ल नि नि ता न य मा व नि मा य जि अ व द द त्वा हा

ध्वज ३ नमः जय नमः नान क म वा वू य म हू या वू य
क ॥ ॥ **ॐ यं न च जं यसा हा ॥ ध्वज ३ नमः जय**
नमः नाना क म पू या ना न तुः का थ य ज न ॥ ॥
ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ क क नि र क द नि र ॐ म च नि र कि मि
मा न न हं ह ह ह सा हा ॥ ध्वज ३ नमः जय नमः जय नमः
य कि मि का द ॥ ॥ ॐ वि नू श हं ह ह ह सा हा ॥ ध्वज

नमः जय नमः जय नमः जय नमः जय नमः जय नमः
यः थ नः का नः ठा गु या या या ॥ **ॐ मं द कि कू**
सि मि कि ना सि पा नि स म ज म ना री ग म मा पि ह ना
म वि नू पा कि आ हा ॥ ध्वज ३ नमः जय नमः जय नमः
सं हा लः पू सि वा न वः जि च कः र व सि चि य जि डी श
न ॥ ॥ ॐ मं ड आ हा मा च हं ह ह ह सा हा ॥ ध्वज ३ मि

वसधुन ॥ अविचकडा तयजुना ॥ खूनायकाता ॥
तुतिसधा नजुयिडा जुनाः त्या ॥ द्वे च उवे नमानपा
निरबानसकि नतायजुना ॥ ॐ नमगू न आग्म ॐ
इं इं इं हिं हिं हिं ह्रों ह्रों ह्रों ह्रें ह्रें ह्रें ह्रें तस्मा ह्रें ॥
धूपथनः दडा आकंगू ॥ ॐ नमगू न आग्म ॐ स
वरुसत्व ॥ समयसत्वक नमय ॥ विसधनेयं ॥ ॐ ॥

[illegible]

पनया जूला ॥ ॐ कनता क कापित्र आकि सता य
 युपं था यज्ञं कृत्वा हा ॥ धन ७ वि के ज पं न पं प
 थस्य सन का थ य ॥ ॥ ॐ पातिर कृत्वा मायि कृत्वा
 गुरु क सन नं कृत्वा हा ॥ धन २२ नं रव ज प न प
 नान कः अविद्या न का थ यः न उ नि हा कृ ह न र ता
 स उ ता या ना डा थ न जू नाः म स या त वि उ ता या ना न क

मसनी दूदुवि गु हा दूदु

॥ ॐ वाम द अजित अपनाजि किं किं ल क न क
 हा ॥ धन ३ इ गू नि ४ ज प न पं व तु दि ग स त य
 नाति सर्व रु य म दू रु य ना स जू ना ॥ ॐ कां दिं दिं कृ
 अरु मं तु स्वा हाः धन ३ द डा ता ना प ला त डा डा
 थ म् रु ज प न पा डा ना पा दा य द ता वा वि स डा जू ना



विष्णुसहस्रनाम

॥ ॐ मुउरताहा ॐ आदि २ स्वाहा ॥ धन ३ वागमा
नसाके सा पू य जू मा ॥ ॥ ॐ गन ल्क वज जि जि अ
ॐ इ न स्वा हा ॥ धन ३ न जा क ल्क वा क सिला य म इ
य क जू मा ॥ ॐ आदि त स न व ल न वा स द व न ग
नू द पं रि व ती प च न म ज धा व ग न वं डू रू मा
ग २ स्वाहा ॥ धन ३ स प त को ना रि दाना डा स

ॐ ॐ यद्रूपमपनमद्रूपमपन ॐ ता ननि
ता नमा चमा जि हा व धं द स्वा हा ॥ धनत वि क न ज
प न पा डा र ख न स व य स र्व म ह नि ॥ ॐ ओ मा म ति
ओ मा म तु स्वा हा ॥ धन ३ स्ना न ज प न पा डा रू य
स र्व म ह नि ॥ ॐ व तु क ना थ व तु म हा र ख न जं हु त
स्वा हा ॥ धन १ द पा ना हा ति या दा ला के न वि स

वि स श नी डा जू ला ॥ ॐ प ली सि न या २ अ मु क
वि धु नि य वू स वि मू च २ स्वा हा ॥ धन ७ त्रं से ज प
प न ता न के म चा वू म दू या व य क जू ला ॥ ॐ त नि
ष तु त त ॥ ओ पु स्ता मं ७ दा नि स र्व क नं हुं हु
ट स्वा हा ॥ धन ३ द ह वि य मु जू ना ॥ वां क य क जू

ल॥ **ॐ संसृष्टिं च्छुतिं डिडि स्वाहा॥** अ० २९ लंख
जपलपा उ नान के थें का डिया जागलाय ज
ना॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥** अ० ३० लंख
हो कायिलि अ० म० ज स्वाहा॥ अ० ३१ लंख म० स० य
नोत उ गृप्ति नं व जपलपा नान के का थय जल

कि
ॐ हि निमिती हं ह्रस्वाहा अ० ३२ जाकि ज
पलपा च्छुति घसंत य नाले न या यः सूना न म
सं क वा न जल॥ **ॐ गूत्र आ गफ ॐ ततति दा**
जानि हं ह्रस्वाहा॥ अ० ३३ लंख म० क० व० दाया
डा वा का सिलाय ज ल॥ **ॐ गूत्र आ गफ ॐ ना**

प्राहमत्री का धपु पु स्वाहा ॥ धनत जाकि जप
लपाडा हाय लिमस्वस्वमात्र नया य जूलः मि
कपिह डायजिडाः पतिनेत्रिह डायजिड
पिमस्वस्वमात्र जजा ॥ ३ ॥ नमा जी कि सनवाः
वा आहं हु स्वाहा ॥ धनत थुकि या डम सः

लोकाकृति नैजिडाः वानैजिडा पतासिता कडि
क गूपतु सजिडाः जूल ॥ ॥ ॥ ग म न का
मिह तिह तिः म न व त्रा ग तु सम गा
मिहुहुहु न स्वा ता वा न ॥ ३ ॥ म व न

म लु पा हा डी न न सा श जि पा म व स डी पा डी :

हो सि क थि त म न पा डी न यः ता न सि त सा

ना का यः म सी नं सा र था ना म का पा डी न य

वो क सि पा र था न म ता डी ह डी गु ॥ ॥

ॐ गुरु आ ग्या ५ वि न श्रा ५ वि भा धा न ॥ १ ॥

पु ल डी गु पु प गु ल ॥ ॥ ॐ गुरु आ ग्या रं ति

मं ति कुं ति स्वा हा धा न ॥ २ ॥ जा कि प न ३ वं

~~मु नं क म क सि ल सा ना म का म वि न~~

ज प ल पा डी थ डी म स त या डी न य वा क सि या र

य म रू रू वा न या वा क या ३ ध्व मु नं क य क सि ल

सा ना म का य म सि ल सा ज थ ना म का य ॥ ह न ह

ध्व क ह न ध्व क ह वि ल सा हा ॥ धा न स ना क डी गु

पु य ज ल ॥ ॐ श्री धि न क श्री डि गू नू आ ग्या सि

विंशसुत उ पंचनक्षत्राहा नक्षत्र जलरु
वंध वंध स्वाहा ॥ अत जाकि जपलप चतुर्दिघ सं
हाल सुना नं खन म दय को थिय म दय क को न ज
पंचनक्षत्र जल ॥ उं सिमाहा द शकि वाचा अजव
न वडि स्वाहा ॥ अत जाकि जपलप चतुर्दिघ

संतयः जाह सूर्यनामः सुना नं म य क शा न वि
द्या जल ॥ उं उं उं द्विं द्विं उं उं इत स्वाहा ॥ अत
सुमा न न जलाः जाकि जपलपा सु महा ल थ ज सं
चन या ना श य जला ॥ उं मडि द्विं द्विं वजि डाः
माहा पंचनक्षत्र स्वाहा ॥ अत जाकि जपलप सिन

सतयः प्रक अरया ना अजु ल॥ ॐ ॥ स्ववाचा ज
हो द ड स अरग्य त तजु धति मरु विद्या॥ ध
ने नहि क ड गू रियः ले ख ज प ल पा ना न कहि
क ड गू रित क जू ल॥ ॐ नम श्री गू नू अरग्य वि
धमा व नं कात्रिका द वि ग ड ना पाल वति कि

पा ड डु॥ धन न धू या दू र म वि ख अ न य या ना
म स न क म स दू र वि यि डः द ड न ना ग न प
सि नः जु न न प न म डू धं ड या थि यो हा या
रुं ड या द का थि वि ख ला य जू ल॥ ॐ हा वाः
ल दू यं वि ना स थि त ह नू न ध नू न वि ज न प

ॐ गूत्र आग्नि रुद्र स्वाहा ॥ अत्र न ध्वमुने मि
षास य इ गूया पूय जूल ॥ ॐ ॐ ॐ सिमिसि
हा हा हा ॐ गूत्र आग्नि रुद्र स्वाहा ॥ अत्र न
ध्वमुने इति स्या य गूत्वा चासंदिका इ पूय कि
ल स्या य जूल ॥ जत्र यत्र नाजूद इति तत्र क ॐ

गूत्र आग्नि रुद्र स्वाहा ॥ अत्र न ध्वमुने मवाव
यम रुया वृय क गूलं व जप लपा तान क म वा
वृयि इ जूल ॥ रुद्र ज जम वने रुद्र ति पि रुद्रा
निजायि उता त म न वृ नि त म न ता वि म हि
ह ॥ अत्र ३ ध्वमुने स्नान जप लपा मि सा रुद्र क

मिसा जूलसां मिजन जूलसां वस्य अयिउ ॥ ॥
ॐ सुवि सुविं त त आ इ ज मा इ ज श्री गू ज आ
ग ॥ इट् स्वाहा ॥ अत्र न मा ज स्या क पा थ स्या क
स जा क डान याः पू य गू जूल ॥ ॐ नम निग्र सिध
विज वजाति नि क न मं चू ज कं स्वाहा ॥ अत्र न

पसिलायत मा ज या यः थ अ न ताल न त यः प
सिदू विना वा नि गू लि मा ज या य गू जूल ॥ ॥
ॐ नम गू ज आ ग्ग विज मा यि मा हा पि सि वि नि
अ म क ह नं प च पं च ज धू व स मा ना य इ इट् स्वा
हा ॥ अत्र न पा त्र व ति धू प थ नः प सि नं दू वि ना वाः

निवले म्पाद यायगू नो नं डम के गजूल ॥ ॐ ॥
ॐ विद्रिद्रिद्रुट् साहा अन ३ मसान योनलिसं
विपजानापकम ना डो हा नंद हवियजूल ॥ ॐ ॥
ॐ द्विद्रिद्रुद्रुट् साहा ॥ अन १ ध्वमुनेया डा
जंठ थन मसे दू दू मविलया का या य क गदूदू

वियि जजूल ॥ ॐ सा यति च दयति मंद यद्रु
द्रुट् साहा ॥ अन १ ध्वमुने वा द्वाय मद्रुया रु
य क जूल ॥ ॐ पण्ण पद ना य ॐ ट् साहा ॥ ॐ ॥
अन ध्वमुने जपलपा डाः न रवा वासिः मसान
यानलिसिद्धाय धतिनापत य जा क १ य जूल

॥ ॐ नमः श्रीत्रिद्विद्विंशतिप्रमाहाहयि आ गमः
वयं नमो वाजकुमात्रियं नमः ख ज तं जीपि आ
संशालिनमाहं द्रष्टुं स्वाहा ॥ अ न १००८ हवन
सुखकुलनाथ सतयु मंरिदूनाथः आदिनाथ
पुगुनाथ उदिगनाथः मया प्राप्त लोकलः लोह

नवाग्वलप वासायुध सतयति ॐ शंकायः
द्रापां पूर्वयुध सतयति पश्चिमयुध सतयति
लिदक्षिणयुध सतयति उग्रयुध सतयति
आकाशयुध सतयति अग्नयुध सतयति
ता अतवास्यानाथानः कुरु यमदः अतगजं तः

खूजूलसाः चूति स जात डायम डू जूला ॥ उं द्वि क
डाव जाक डाव का स क डाव कित २ धन २९ उ
यिया माल स पूयः डयिया त मात्र या य जूला ॥
उं न वाचा ॥ धन ९ विमि तु स्वात या पु न पा ये वित
डाक साः विचा डाक याः पानि द का न डाक याः

जूला ॥ उं सि धि गूत्र आग्म उं नि सि ह प्र चं दि
का प्र रवा त ता यं म जा हा र्द नू जा स न हा र्द डू डू सा
हा ॥ धन १ धन थ मं म थी ना ध स न य व ल तु
ति त ला गू धूल क या थ डा वित स म या गू लिः
यि ना स्व य ध स क ति का स्व य ड कि पु न चू त

कनिडा॥ **ॐ नम आदसगून् आग्या ॐ गून् ॐ**
गून् मानय स्वाहा॥ **ॐ नम १००८ मवया मु स्या य**
जूलः पूरवा चाम चान चाकया डा नानम डमसक
या डा इरू या ना डा कथकः मवया मु सिगिज
नः हाने थ मु न ग्वल च इः सनसिलः कूकूमः राजा

पुस चा या डा मऊ या नाम कया चाय दथूल चा
संजि डा लू चा को संजि डाः डा दू या मा मु सिगिज
न॥ **ॐ ग्यान जपं जग्य स्वपि नू पं तं स नू पं दलि नू पं**
माहा दव ग्यान चा जपा ड जपं ग्वग्न स्व जपंः ॐ नम
जाकि जपलपा कथकः सगदि चिय गदि ३ चिय पः

सीं लायजूला ॥ हातददवि वाडत जागूला गमनात
समचूत ॥ धनत ध्वमुतं सिधामाया हाकया डनिनाः
तातक मवंनकातलगूका थया ॥ उं नमः श्रीगुरुआ ॥
गम उं उं उं श्री श्री श्री हं लावाय डं डू डं डं स्वाः
हा ॥ धनमाका पूयः लावेखाक गूमं धूप थनजूला ॥ ०

॥ उं नमः श्रीगुरुआ गम उं वि सह स्वाहा ॥ धनमदीतलः
पूयदिक माला ॥ उं कात्रित्य संमकूत्र आसं विदुं द्विं वि
दूट् स्वाहा ॥ धनत ध्वमुतं सयूयापन पूतक जूला ॥ ०
चानं जि ड जपल पद्म सह त्रिकायम ज्यु ड जूल ॥ ० ॥
उं डं विरुकात्र वहि विं दूट् स्वाहा ॥ धनलिका यगू ड

ॐ कथकजूलालिकायजिडाजुला॥ ॐ अन्नाहाई
ट्स्वाहा॥ धन ५ पूयमिषासाकपूयः लखजपलपामिषा
काकस्वदुयनैजुला॥ ॐ नमगूज्जगम्भजुसक्तिजुस
तिआआकासयधय॥ ॐ ट्स्वाहा॥ धन ७ गूषव
त्रिवाकृतिस्वायः निद्रसया नामतयर्हिलावनः कपूतः
कसूनीः कूकूमा॥ धूतिस्मलजयान्याडावायः काथ

सस्वकपायतयनिद्रतपूमिलजय॥ ॐ सिंकिं
धिंदिं ॥ ननवसिंधायनमस्वाहा॥ धा ३ मानया
यनवसिंधमनुध्व॥ ४॥ ॐ कलंकिलींकलंकलींकल
कलानमस्वाहा॥ ५॥ वसकदंद्रसकिकि यजाकिदथू
सतयपव्यंतिनध ७ विवुजपलपंनकस्मसहालाथि
यमरू॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॐ सप्तसुनि या
य नमः ॐ श्रीगामाय नमः ॐ अवजाणपगुत्रामाभं च अव
धूतः स्यलस्यलीसीधी जन्म जगमता पथनद्रानिदं
दकः यन्ताभासिमंदाचउत्र अदनिदिनी कडा
लअलफसंजानीकप् वाकनासमः नीमालाजाना
षः नधाकनरुंयः रुगजनासांकोलुसंयगूदनिहू

वि अचलाठपिमाद कलं गिजावाधः साधूतार्जगिषाकः
सां कलिगमनकुधंदा कप्रिया कय अजना आनबंधसू
सूकाधगल वनूअमिउनिलागम कालाधलादा
नायलकाचालाजाहोसाधंनृकाचालाकूतकादालिगू
पूतंयइनसीनाहो आसानासतपसितनमः धनसांतात्र

चलायायगुरुकोमतीशजकुजाशंयभजवाभजनावचा
यसाःसाधुसंतकोऽविनकाहाःसिउंलोयासूपात्रि
हनूमंतहंसात्राधिःआचानजनिजंगमृजंजिनपाडकाः
कयलाकोआर्वंदवर्जकिंकाचगलकासलिगलकाज
नृगलकाकंधिगलकाहिनाःगलकामालाःहातृकास

स्तेनीकानृकाःसयशंउनीसिनकासनकादिपुसिस्काः
मकुमाथकानागामाथविंदारसिंदूरकाभागलीकापात
लिहातकाकजाजोहासूमनृजाहाहनूमंतविनयनाःचि
प्यानचकमकृषीगच्छालामतंगमलमपिचंदनःगंगम
किमातिचैनवृलिसिगुरुकयातिःतिश्रीसदासूति

अपदसवताया श्रीगुरुगंगाक्षसः अगमगमयाः ॥ ति श्री
गुरुनामानन्दजिकी पाचमाजापनहंत हृतत नमस्कानः
श्रीगुरुदेवजिकुं अर्पनः श्रीगवानजिकुं अर्पनः ॥ ली
वजपलपंतानके धल ३ ॥ ॥ यकासिवाचा दू ३ ॥
सिवाचा ति ति ३ ॥ सिवाचा बाचात न न क प ॥ ० ॥



